

२३-१०-१९ पत्रावली पेश हुई। बार-बार आवक दिलवाई गई  
परन्तु वांछित पैरवी की गई व्याख्या नहीं है अतः  
वही वही अदम दफ्तरी एवं अदम पैरवी में वांछित  
का वाद खोदिस किया गया। पत्रावली नंबर  
शुभार होकर दर्ज नम्बर से कर टो। आदेश  
दिले न्यायालय में सुनाया गया।

प.सं.सं. - ४६६-२,००,०००-०६

उप खण्ड अधिकारी  
सौभर लेक

